MAHD-08

June - Examination 2017

M.A. (Final) Hindi Examination

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत–परम्परा

Paper - MAHD-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अज्ञेय द्वारा सम्पादित ''चौथा तार सप्तक'' के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(ii) डॉ. श्याम परमार की उस पुस्तक का नाम बताइए जिसमें 'अकविता' के पक्ष में जोरदार आवाज उठाई गई?

(iii) कवि शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'सागर–तट' की विषय वस्तु क्या है।

(iv) गिरिजाकुमार माथुर की कविता– 'नाश और निर्माण' जीवन के किन–किन पक्षों का चित्रण करती है?

(v) सोहनलाल द्विवेदी के गीतों में राष्ट्रीयता का स्वर किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है?

(vi) गोपालदास नीरज की किन्हीं दो काव्य–रचनाओं के नाम लिखिए।

(vii) 'बॉस का पुल' और 'एक सूनी नाँव'' काव्य संग्रह किस कविद्वारा रचित है?

(viii) 'भूल गलती' कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए।। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

'' मैं यहाँ
व्यक्ति से प्रकृति बनते ही आया हूँ पार्थ
इसीलिए
इस प्रज्ञायात्रा की समस्त भयावहता भी
मुझे विचलित नहीं कर पा रही।
मैं अपने इस प्रज्ञारूप को
किसी भी मूल्य पर
अपने ही सम्राट रूप के सामने
विवश या
विनत होते नहीं देख सकता था
पार्थ!
भय को निर्भय से
जितना भय लगता है
उतना और किसी से नहीं।''

3) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''जिसकी शैष शैया पर
तुम्हारे साथ युग–युगों तक क्रीड़ा की है
आज उस समुद्र को मैंने स्वप्न
में देखा मनु!
लहरों के नीले अवगुण्ठन में
जहाँ सिन्दुरी गुलाब जैसा सूरज खिलता था।
वहाँ सैकड़ों निष्फल सीपियाँ छटपटा रही हैं
और तुम मौन हो
मैंने देखा कि अगणित विक्षुब्ध
विक्रान्त लहरें
फेन का शिरस्त्राण पहने
सिवार का कवच धारण किए
निर्जीव मछलियों के धनुष लिए
युद्धमुद्रा में आतुर हैं
और तुम कभी मध्यस्थ हो
कभी तटस्थ
कभी युद्धरत।''

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''मैं आती हूँ ले नव भाषा,
मैं आती ले नव अभिलाषा,
नव शब्द छंद लप ताल नीड़'
नव गमकों की गुंजारों में,
मैं आती हूँ बन गई सृष्टि,
ध्वंसों के प्रलय प्रहारों में।''

5) गिरिजाकुमार माथुर'' के काव्य में यथार्थबोध की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है? स्पष्ट कीजिए।

6) अशोक वाजपेयी के काव्य में संवेदना के विविध स्तरों का उद्घाटन कीजिए।

7) नरेश मेहता के काव्य 'महाप्रस्थान' की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

8) वीरेन्द्र मिश्र के गीतों में शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

9) ''नीरज के गीतों' में प्रणयानुभूति के साथ साथ मानवतावाद का स्वर भी विद्यमान है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(निबंधात्मक प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई 2 प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) मुक्तिबोध के काव्य में संवेदना और शिल्प का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य–कृति 'कुआनो नदी' में अनुभूति के विविध स्तरों का उद्घाटन कीजिए।

12) नवगीत की परिभाषा व स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए नवगीत की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(क) वीरेन्द्र मिश्रा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(ख) बालस्वरूप राही के गीतों की विशेषताएँ।

(ग) नवगीत – विधा में रमानाथ अवस्थी का योगदान।

(घ) समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।